प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 1

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

फिजूलखर्ची एक बुराई है, इसके पीछे बारीकी से नज़र डालें तो अहंकार नज़र आएगा। अहं के प्रदर्शन से तृप्ति मिलती है। अहं की पूर्ति के लिए कई बार बुराइयों से रिश्ता भी जोड़ना पड़ता है। अहंकारी लोग बाहर से भले ही गंभीरता का आवरण ओढ़ लें, लेकिन भीतर से वे उथलेपन से भरे रहते हैं।

जब कभी समुद्र तट पर जाने का मौका मिले, तो आप देखेंगे कि लहरें आती हैं, जाती हैं और चट्टानों से टकराती हैं। पत्थर वहीं रहते हैं, लहरें उन्हें भिगोकर लौट जाती हैं। हमारे भीतर हमारे आवेगों की लहरें भी हमें ऐसे ही टक्कर देती हैं।

इन आवेगों, आवेशों के प्रति अडिग रहने का अभ्यास करना होगा, क्योंकि अहंकार यदि लंबे समय तक टिकने की तैयारी में आ जाए, तो वह नए-नए तरीके ढूँढेगा। स्वयं को महत्त्व मिले अथवा स्वेच्छाचारिता के प्रति आग्रह, ये सब धीरे-धीरे सामान्य जीवन-शैली बन जाती है। ईसा मसीह ने कहा है- "मैं उन्हें धन्य कहूँगा, जो अंतिम हैं।" आज के भौतिक युग में यह टिप्पणी कौन स्वीकारेगा, जब 'चारों ओर नंबर वन' होने की होड़ लगी है।

ईसा मसीह ने इसी में आगे जोड़ा है कि "ईश्वर के राज्य में वही प्रथम होंगे, जो अंतिम हैं और जो प्रथम होने की दौड़ में रहेंगे, वे अभागे रहेंगे।" यहाँ 'अंतिम' होने का संबंध लक्ष्य और सफलता से नहीं है। जीसस ने विनम्रता, निरहंकारिता को शब्द दिया है 'अंतिम'। आपके प्रयास व परिणाम प्रथम हों, अग्रणी रहें, पर आप भीतर से अंतिम हों यानी विनम्र, निरहंकारी रहें। अन्यथा अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश में फिजूलखर्ची को सूक्ष्म दृष्टि से क्या कहा गया है?

क) सामान्य जीवन-शैली ख) पैसे का बेहतर उपयोग

ग) अहंकार का प्रदर्शन घ) बुराइयों की जड़

(ii) अहंकारी व्यक्तियों की किन कमियों की ओर संकेत किया गया है?

क) सभी विकल्प सही हैं

ख) अहंकारी व्यक्ति किसी भी प्रकार से अपने अहं का प्रदर्शन करना चाहते हैं

ग) अहंकारी व्यक्ति भीतर से उथलेपन से भरे होते हैं

घ) अहंकारी व्यक्ति सतही मानसिकता रखते हैं

(iii) लेखक ने मानव मन में उद्वेलित होने वाली भावनाओं की तुलना किससे की है?

क) ईसा मसीह से

ख) भौतिक आकांक्षाओं से

ग) समुद्र तट की लहरों से

घ) निरहंकार से

(iv) जीसस के अनुसार, मनुष्य को भीतर से कैसा होना चाहिए?

क) विनम्र

ख) विनम्र और निरहंकारी दोनों

ग) निरहंकारी

घ) स्वेच्छाचारी

(v) अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है- इस कथन की सत्यता सिद्ध करने वाले कारक हैं-

i. स्वयं को महत्व देना

ii. गंभीरता का आवरण ओढ़ना

iii. स्वेच्छाचारिता को महत्व देना

iv. आवेशों के प्रति अडिग रहना

क) कथन i, ii व iv सही हैं

ख) कथन ii सही है

ग) कथन i, व iii सही हैं

घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

विज्ञान ने मनुष्य को मशीन बना दिया है, यह कहना उचित नहीं है। मशीनों का आविष्कार मनुष्य ने अपनी सुख-सुविधा के लिए किया है। यदि मशीनें नहीं होतीं, तो मनुष्य इतनी तेजी से प्रगति नहीं कर पाता एवं उसका जीवन तमाम तरह के झंझावातों के बीच ही गुम होकर रह जाता। मशीनों से मनुष्य को लाभ हुआ है, यदि उसे भौतिक सुख-सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं, तो उसमें मशीनों का योगदान प्रमुख है। मशीनों को कार्यान्वित करने के लिए मनुष्य को उन्हें परिचालित करना पड़ता है जिससे कार्य करने में उसे अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता।

यदि कोई व्यक्ति मशीन के बिना कार्य करे, तो उसे अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता पड़ेगी। इस दृष्टि से देखा जाए, तो मशीनों के कारण मनुष्य का जीवन यंत्रवत् नहीं हुआ है, बल्कि उसके लिए हर प्रकार का कार्य करना सरल हो गया है। यह विज्ञान का ही वरदान है कि अब डेबिट-क्रेडिट कार्ड के रूप में लोगों के पर्स में प्लास्टिक मनी आ गई है और वे जब भी चाहें, रुपये निकाल सकते हैं। रुपये निकालने के लिए अब बैंकों में घंटों लाइन में लगने की जरूरत ही नहीं।

पहले लंबी दूरी की यात्रा करना मनुष्य के लिए अत्यंत कष्टदायी होता था। अब विज्ञान ने मनुष्य की हर प्रकार की यात्रा को सुखमय बना दिया है। सड़कों पर दौड़ती

मोटरगाड़ियाँ एवं एयरपोर्ट पर लोगों की भीड़ इसका उदाहरण हैं।
पहले मनुष्य के पास मनोरंजन के लिए विशेष साधन उपलब्ध नहीं थे। अब उसके पास मनोरंजन के हर प्रकार के साधन उपलब्ध हैं। रेडियो, टेपरिकॉर्डर से आगे बढ़कर अब एलईडी, डीवीडी एवं डीटीएच, कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल का जमाना आ गया है। यही नहीं मनुष्य विज्ञान की सहायता से शारीरिक कमजोरियों एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा (निजात) पाने में अब पहले से कहीं अधिक सक्षम हो गया है और यह सब संभव हुआ चिकित्सा क्षेत्र में आई वैज्ञानिक प्रगति से।

(i) विज्ञान ने मनुष्यों को क्या दिया है?

क) परिश्रम
ख) सुख-सुविधाएँ
ग) मशीनें
घ) असुविधाएँ

(ii) मशीनें नहीं होती तो क्या होता?

क) मनुष्य खुश रहता
ख) मनुष्य तेजी से प्रगति नहीं कर पाता
ग) मनुष्य झंझावातों से निकल जाता
घ) मनुष्य तेजी से प्रगति कर पाता

(iii) मशीनों से मनुष्य के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है?

क) उसका प्रत्येक कार्य सरल हो गया है
ख) उसका जीवन यंत्रवत् हो गया है
ग) उसका प्रत्येक कार्य कठिन हो गया है
घ) उसे अधिक परिश्रम करना पड़ता है

(iv) गद्यांश के अनुसार, विज्ञान का वरदान क्या है?

क) अब रुपये निकालने के लिए बैंकों में घंटों तक लाइन में नहीं लगना पड़ता
ख) डेबिट-क्रेडिट कार्ड के रूप में लोगों के पर्स में प्लास्टिक मनी आ गई है
ग) लोग जब चाहें रुपये निकाल सकते हैं
घ) सभी

(v) **कथन (A):** मशीनों के प्रयोग से मनुष्य सुख-सुविधा संपन्न हो गया है।
कारण (R): मशीनीकरण ने मनुष्य को अकर्मण्य व लालची बना दिया है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **<u>सामने की दुकान पर चाय पीने वाला</u>** लड़का अपने घर चला गया। रेखांकित पदबंध का नाम है-

क) विशेषण पदबंध | ख) संज्ञा पदबंध
ग) क्रिया पदबंध | घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) **<u>दो ताकतवर लोग</u>** इस चीज को गिरा पाए। - रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) संज्ञा पदबंध | ख) क्रिया पदबंध
ग) सर्वनाम पदबंध | घ) विशेषण पदबंध

(iii) रेखांकित पदबंधों में से कौनसा सर्वनाम पद का उदाहरण है ?

क) मैं **<u>बहुत तेज़ी से दौड़कर</u>** गया। | ख) **<u>बेचारा वह</u>** कहाँ जा सकता है?
ग) वह **<u>पढ़कर सो गया है</u>**। | घ) मुझे **<u>चार किलो पिसी हुई</u>** मिर्च ला दो।

(iv) **<u>पैर पर लगी चोट</u>** दर्द कर रही है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) संज्ञा पदबंध | ख) क्रिया पदबंध
ग) क्रिया-विशेषण पदबंध | घ) विशेषण पदबंध

(v) **<u>पिकनिक मनाते हुए हमने</u>** बहुत सी अच्छी-अच्छी बातें सीखी। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) विशेषण पदबंध | ख) संज्ञा पदबंध
ग) क्रिया पदबंध | घ) सर्वनाम पदबंध

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **चक्रपाणि** में कौन-सा समास है?

क) तत्पुरुष | ख) बहुव्रीहि
ग) अव्ययीभाव | घ) कर्मधारय

(ii) समास के कितने भेद होते है?

क) पाँच | ख) आठ
ग) छः | घ) सात

(iii) **यथाशक्ति** में कौन सा समास है?

क) कर्मधारय समास

ख) द्वन्द्व समास

ग) अव्ययीभाव समास

घ) तत्पुरुष समास

(iv) संसारसागर

क) संसार है जो सागर - कर्मधारय समास

ख) संसार रूपी सागर - कर्मधारय समास

ग) संसार और सागर - कर्मधारय समास

घ) संसार के समान सागर - कर्मधारय समास

(v) इनमें से कौन-सा अव्ययीभाव पद है?

क) आकारकुशल

ख) कुमार

ग) प्रतिदिन

घ) गृहागत

5. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **आपकी तरह कोई और नहीं पढ़ाता।** वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

क) जैसा आप पढ़ाते हैं वैसा कोई और नहीं।

ख) आप बहुत अच्छा पढ़ाते हैं।

ग) आपके पढ़ाने का अंदाज बहुत अच्छा हैं।

घ) आपकी तरह कोई और पढ़ा ही नहीं सकता।

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त-वाक्य है-

i. वह बाज़ार पुस्तक खरीदने गया।
ii. वह बाज़ार से पुस्तक खरीद लाया।
iii. जब वह बाज़ार गया तब पुस्तक खरीद लाया।
iv. वह बाज़ार गया और पुस्तक खरीद लाया।

क) विकल्प (iii)

ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (i)

घ) विकल्प (iv)

(iii) **पवन ने फुटबॉल खेला और चला गया।** वाक्य का सरल रूप है-

क) पवन फुटबॉल खेलकर कर चला गया।

ख) पवन फुटबॉल खेलते-खेलते चला गया।

ग) पवन फुटबॉल खेलते ही चला गया।

घ) पवन फुटबॉल का खेल खेलकर चला गया।

(iv) इन वाक्यों में से सरल वाक्य की पहचान कीजिए-

क) सोहन ने अपने मित्र को बुलाया।

ख) अपने मित्र को, सोहन ने बुलाया।

ग) सोहन ने बुलाया अपने मित्र को।

घ) अपने मित्र को बुलाया, सोहन ने।

(v) **मैंने एक घायल पक्षी को देखा।** मिश्र वाक्य में बदलिए-

क) घायल पक्षी को देखकर मैं दुखी हो गया

ख) पक्षी को कभी भी घायल नहीं करना चाहिए

ग) घायल होते ही पक्षी दुखी हो गया मैं

घ) मैंने एक पक्षी को देखा जो घायल था

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) कच्चे घड़े पानी भरना मुहावरे का अर्थ है-

क) कठिन काम करना

ख) मूर्खतापूर्ण कार्य करना

ग) ठीक ढंग से काम न करना

घ) कमजोर से मदद की अपेक्षा करना

(ii) छुट्टी करना

क) विद्यालय में अवकाश होना

ख) मार डालना

ग) छुट्टी की घंटी बजाना

घ) छुट्टी घोषित करना

(iii) बड़े भाई ने छोटे भाई को ऐसी चुभती बात कही कि वह __________ । रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए-

क) शर्मिंदा होना

ख) गला काट लेना

ग) खून बहाना

घ) अपना-सा मुँह लेकर रह जाना

(iv) ठन ठन गोपाल मुहावरे का अर्थ है-

क) समय आने पर मुकर जाना

ख) कंगाल

ग) धनवान

घ) बेकार

(v) दाँतों पसीना आना मुहावरे का उचित अर्थ है-

क) बहुत खुश होना

ख) दाँतों का टूटना

ग) बहुत भूख लगना

घ) बहुत अधिक परेशानी उठाना

(vi) बीस मिनट में गणित के चालीस सवाल हल करना __________ के समान है- रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना
ख) दाँतों पसीना आना
ग) दाल न गलना
घ) तिल का ताड़ बनाना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **कट गए सर ... न झुकने दिया** -पंक्ति भारतीयों के किस गुण को व्यक्त करती है?

क) स्वाभिमान
ख) समृद्धि
ग) परस्पर सहयोग
घ) त्याग

(ii) श्रीकृष्ण के माथे पर कौन-सा मुकुट सुशोभित है?

क) श्रीकृष्ण के माथे पर सोने का मुकुट सुशोभित है
ख) श्रीकृष्ण के माथे पर सुंदर मुकुट सुशोभित है
ग) श्रीकृष्ण के माथे पर रत्नजड़ित मुकुट सुशोभित है
घ) श्रीकृष्ण के माथे पर मोर पंखों से बना मुकुट सुशोभित है

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर-क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) रंतिदेव कौन थे?

क) सेनापति
ख) एक दानी राजा
ग) ऋषि
घ) महाराजा

(ii) कबूतर को बचाने के लिए राजा शिवि ने क्या किया?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) अपना भोजन दान दिया
ग) अपना राज्य दान किया
घ) अपने मांस का दान दिया

(iii) किसने अपने कवच-कुंडल दान में दिए?

क) रंतिदेव ने
ख) राजा शिवि ने
ग) दधीचि ने
घ) कुंती पुत्र कर्ण ने

(iv) वास्तव में असली मनुष्य किसको माना है?

क) जो परोपकारी भाव रखता है। ख) जो अपने लिए जीता है।

ग) जो दूसरों की चिंता करता है। घ) जो संसार को त्यागकर तपस्वी बन जाता है।

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. कर्ण ने अपने कवच का दान कर दिया था।
ii. दधीचि ने अपनी अस्थियों का दान कर दिया था।
iii. कर्ण ने अपने शरीर का चर्म और मांस का दान कर दिया था।
iv. गंधार देश के राजा ने अपनी सारी संपत्ति दान कर दी थी।
v. रंतिदेव एक परम दानी राजा था।

पद्यांश के अनुसार उपरोक्त वाक्यों में से कौन सही नहीं है-

क) (iv), (v) ख) (i), (ii)

ग) (i), (ii), (v) घ) (iii), (iv)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मेरे भाई साहब मुझसे पाँच साल बड़े, लेकिन केवल तीन दरजे आगे। उन्होंने भी उसी उम्र में पढ़ना शुरू किया था, जब मैने शुरू किया, लेकिन तालीम जैसे महत्त्व के मामले में वह जल्दबाजी से काम लेना पसन्द न करते थे। इस भवन की बुनियाद खूब मज़बूत डालना चाहते थे, जिस पर आलीशान महल बन सके। एक साल का काम दो साल में करते थे। कभी-कभी तीन साल भी लग जाते थे। बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने।
मैं छोटा था, वह बड़े थे। मेरी उम्र नौ साल की थी, वह चौदह साल के थे। उन्हें मेरी तम्बीह और निगरानी का पूरा और जन्मसिद्ध अधिकार था और मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ।

(i) कहानी तथा कहानीकार का नाम लिखिए।

क) बड़े भाई साहब, लीलाधर मंडलोई ख) बड़े भाई साहब, रवीन्द्र केलेकर

ग) बड़े भाई साहब, प्रेमचन्द घ) बड़े भाई साहब, हबीब तनवीर

(ii) बड़े भाई साहब छोटे भाई से कितने साल बड़े थे?

क) पाँच साल ख) चार साल

ग) सात साल घ) दस साल

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): बड़े भाई तालिम की बुनियाद को पूरी तरह से मजबूत करना चाहते थे।
कारण (R): क्योंकि आलीशान मकान के लिए बुनियाद का मजबूत होना आवश्यक है।

क) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) बड़े भाई साहब को क्या जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त था?

क) पूरी तरह से देखभाल करना

ख) छोटे भाई की निगरानी

ग) सभी

घ) तम्बीह और निगरानी

(v) **तालीम** शब्द का अर्थ बताइए।

क) सिखाना

ख) शिक्षा

ग) सीख

घ) अशिक्षा

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** पाठ के आधार पर लेखक को फिल्मों में रूचि कब पैदा हुई?

क) बचपन से

ख) स्कूल में

ग) स्नातक में

घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) तताँरा के लिए क्या असहनीय था?

क) पशु पर्व के कार्यक्रमों में बाधा आना

ख) उसके गांव पासा के लोगों का अपमान होना

ग) बहुत सारे गांववालों का इकट्ठा हो जाना

घ) गांववालों का उसके विरोध में आवाज़ उठाना

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) विरासत में मिली चीज़ों को सँभालकर क्यों रखा जाता है? 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए।

(ii) आत्मत्राण कविता हमें दुख से संघर्ष करने का मार्ग दिखाती है। स्पष्ट कीजिए।

(iii) "पंत प्रकृति चित्रण के सर्वोत्तम कवि हैं।" 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) **डायरी का एक** पन्ना पाठ के आधार पर भारतीय स्वाधीनता संग्राम की एक झाँकी प्रस्तुत कीजिए।

(ii) कारतूस पाठ की इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए- मुट्ठीभर आदमी और ये दमखम।

(iii) 'झेन की देन' प्रसंग के आधार पर बताइए कि हमारा दिमाग हर वक्त कहाँ उलझा रहता है और क्यों?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) कल भी उनके यहाँ गया था, लेकिन न तो वह कल ही कुछ कह सके और न आज ही। दोनों दिन उनके पास मैं देर तक बैठा रहा, लेकिन उन्होंने कोई बातचीत नहीं की। जब उनकी तबीयत के बारे में पूछा तब उन्होंने सिर उठाकर एक बार मुझे देखा फिर सिर झुकाया तो दुबारा मेरी ओर नहीं देखा। हालाँकि उनकी एक ही नज़र बहुत कुछ कह गई। जिन यंत्रणाओं के बीच वह घिरे थे और जिस मनःस्थिति में जी रहे थे, उसमें आँखें ही बहुत कुछ कह देती हैं, मुँह खोलने की ज़रूरत नहीं पड़ती। हरिहर काका की पंद्रह बीघे ज़मीन उनके लिए जी का जंजाल बन गई। कथन के आलोक में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती- **सपनों के-से दिन** पाठ के किस अंश से यह सिद्ध होता है?

(iii) वह अपने भरे-पूरे घर की ही तरह अपने स्कूल में भी अकेला हो गया था। मास्टरों ने उसका नोटिस लेना बिलकुल ही छोड़ दिया था। कोई सवाल किया जाता और जवाब देने के लिए वह भी हाथ उठाता तो कोई मास्टर उससे जवाब ना पूछता।
'टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया' - टोपी की भावात्मक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव बताइए।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय खुलवाने की आवश्यकता समझाते हुए दिल्ली के शिक्षा-मंत्री के नाम एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके विद्यालय में आए-दिन छात्रों की कोई न कोई वस्तु गुम हो जाने की घटनाएँ घटित हो रही हैं। कल आपके एक सहपाठी की साइकिल चोरी हो गई थी। इस सम्बन्ध में एक प्रार्थना-पत्र लिखकर माननीय प्रधानाचार्य महोदय को अवगत कराइए।

15. **ई-कचरा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- ई-कचरा से तात्पर्य
- चिंता का कारण
- निपटान के उपाय

अथवा

कम्प्यूटर : आज के युग की जरूरत विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

अथवा

मित्रता विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

16. विद्यालय में आयोजित होने वाली कथा प्रस्तुति के लिए हिन्दी विभाग के संयोजक की ओर से 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

विद्यालय के प्रधानाध्यापक के सेवानिवृत्त होने पर सचिव अमन शर्मा एक विदाई समारोह करना चाहते हैं। विद्यालय कार्यलय के मार्ग दर्शन में विदाई समारोह के विषय में 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

17. सुंगधित पदार्थ हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

फेस क्रीम विक्रेता के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

18. **एक नदी का दुख** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके शहर में सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अपने राज्य के खाद्य-मंत्री को dfpd@gov.in पर एक ईमेल लिखकर इस समस्या के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

फिजूलखर्ची एक बुराई है, इसके पीछे बारीकी से नज़र डालें तो अहंकार नज़र आएगा। अहं के प्रदर्शन से तृप्ति मिलती है। अहं की पूर्ति के लिए कई बार बुराइयों से रिश्ता भी जोड़ना पड़ता है। अहंकारी लोग बाहर से भले ही गंभीरता का आवरण ओढ़ लें, लेकिन भीतर से वे उथलेपन से भरे रहते हैं।

जब कभी समुद्र तट पर जाने का मौका मिले, तो आप देखेंगे कि लहरें आती हैं, जाती हैं और चट्टानों से टकराती हैं। पत्थर वहीं रहते हैं, लहरें उन्हें भिगोकर लौट जाती हैं। हमारे भीतर हमारे आवेगों की लहरें भी हमें ऐसे ही टक्कर देती हैं।

इन आवेगों, आवेशों के प्रति अडिग रहने का अभ्यास करना होगा, क्योंकि अहंकार यदि लंबे समय तक टिकने की तैयारी में आ जाए, तो वह नए-नए तरीके ढूँढेगा। स्वयं को महत्त्व मिले अथवा स्वेच्छाचारिता के प्रति आग्रह, ये सब धीरे-धीरे सामान्य जीवन-शैली बन जाती है। ईसा मसीह ने कहा है- "मैं उन्हें धन्य कहूँगा, जो अंतिम हैं।" आज के भौतिक युग में यह टिप्पणी कौन स्वीकारेगा, जब 'चारों ओर नंबर वन' होने की होड़ लगी है।

ईसा मसीह ने इसी में आगे जोड़ा है कि "ईश्वर के राज्य में वही प्रथम होंगे, जो अंतिम हैं और जो प्रथम होने की दौड़ में रहेंगे, वे अभागे रहेंगे।" यहाँ 'अंतिम' होने का संबंध लक्ष्य और सफलता से नहीं है। जीसस ने विनम्रता, निरहंकारिता को शब्द दिया है 'अंतिम'। आपके प्रयास व परिणाम प्रथम हों, अग्रणी रहें, पर आप भीतर से अंतिम हों यानी विनम्र, निरहंकारी रहें। अन्यथा अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है।

(i) **(ग)** अहंकार का प्रदर्शन
व्याख्या: गद्यांश की आरंभिक पंक्तियों से स्पष्ट होता है कि फिजूलखर्ची को सूक्ष्म दृष्टि से अहंकार का प्रदर्शन करना कहा गया है।

(ii)**(क)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: गद्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अहंकारी लोग बाहर से भले ही गंभीरता का आवरण ओढ़ लें, लेकिन भीतर से वे उथलेपन से भरे होते हैं, वे सतही मानसिकता रखते हैं और किसी भी प्रकार से अपने अहं का प्रदर्शन करना चाहते हैं। इस प्रकार, सभी विकल्प सही हैं।

(iii)**(ग)** समुद्र तट की लहरों से
व्याख्या: लेखक ने मानव मन में उद्वेलित होने वाली भावनाओं की तुलना समुद्र तट की लहरों से की है। जिस प्रकार समुद्र की लहरें आते-जाते समय चट्टानों के पत्थरों को भिगोकर चली जाती हैं, उसी प्रकार हमारे भीतर आवेगों की लहरें भी हमें टक्कर देती रहती हैं।

(iv)**(ख)** विनम्र और निरहंकारी दोनों
व्याख्या: जीसस के अनुसार, मनुष्य को भीतर से अंतिम यानी विनम्र और निरहंकारी होना चाहिए।

(v)**(ग)** कथन i, व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

विज्ञान ने मनुष्य को मशीन बना दिया है, यह कहना उचित नहीं है। मशीनों का आविष्कार मनुष्य ने अपनी सुख-सुविधा के लिए किया है। यदि मशीनें नहीं होतीं, तो मनुष्य इतनी तेजी से प्रगति नहीं कर पाता एवं उसका जीवन तमाम तरह के झंझावातों के बीच ही गुम होकर रह जाता। मशीनों से मनुष्य को लाभ हुआ है, यदि उसे भौतिक सुख-सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं, तो उसमें मशीनों का योगदान प्रमुख है। मशीनों को कार्यान्वित करने के लिए मनुष्य को उन्हें परिचालित करना पड़ता है जिससे कार्य करने में उसे अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता।
यदि कोई व्यक्ति मशीन के बिना कार्य करे, तो उसे अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता पड़ेगी। इस दृष्टि से देखा जाए, तो मशीनों के कारण मनुष्य का जीवन यंत्रवत् नहीं हुआ है, बल्कि उसके लिए हर प्रकार का कार्य करना सरल हो गया है। यह विज्ञान का ही वरदान है कि अब डेबिट-क्रेडिट कार्ड के रूप में लोगों के पर्स में प्लास्टिक मनी आ गई है और वे जब भी चाहें, रुपये निकाल सकते हैं। रुपये निकालने के लिए अब बैंकों में घंटों लाइन में लगने की जरूरत ही नहीं।
पहले लंबी दूरी की यात्रा करना मनुष्य के लिए अत्यंत कष्टदायी होता था। अब विज्ञान ने मनुष्य की हर प्रकार की यात्रा को सुखमय बना दिया है। सड़कों पर दौड़ती मोटरगाड़ियाँ एवं एयरपोर्ट पर लोगों की भीड़ इसका उदाहरण हैं।
पहले मनुष्य के पास मनोरंजन के लिए विशेष साधन उपलब्ध नहीं थे। अब उसके पास मनोरंजन के हर प्रकार के साधन उपलब्ध हैं। रेडियो, टेपरिकॉर्डर से आगे बढ़कर अब एलईडी, डीवीडी एवं डीटीएच, कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल का जमाना आ गया है। यही नहीं मनुष्य विज्ञान की सहायता से शारीरिक कमजोरियों एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा (निजात) पाने में अब पहले से कहीं अधिक सक्षम हो गया है और यह सब संभव हुआ चिकित्सा क्षेत्र में आई वैज्ञानिक प्रगति से।

(i) **(ग)** मशीनें
व्याख्या: मशीनें
(ii)**(ख)** मनुष्य तेजी से प्रगति नहीं कर पाता
व्याख्या: मनुष्य तेजी से प्रगति नहीं कर पाता
(iii)**(क)** उसका प्रत्येक कार्य सरल हो गया है
व्याख्या: उसका प्रत्येक कार्य सरल हो गया है
(iv)**(घ)** सभी
व्याख्या: सभी
(v)**(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: विशेषण पदबंध
(ii)**(क)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: ताकतवर लोग संज्ञा है।
(iii)**(ख)** **<u>बेचारा वह</u>** कहाँ जा सकता है?
व्याख्या: प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध सर्वनाम पदबंध का उचित उदाहरण है क्योंकि

इसमें सर्वनाम पद की जानकारी दी गई है।

(iv)**(क)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

(v)**(घ)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: सर्वनाम पदबंध

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** बहुव्रीहि
व्याख्या: बहुव्रीहि

(ii)**(ग)** छः
व्याख्या: 1.अव्ययीभाव समास, 2. तत्पुरुष समास, 3. द्विगु समास, 4. द्वन्द्व समास, 5. बहुव्रीहि समास, 6. कर्मधारय समास

(iii)**(ग)** अव्ययीभाव समास
व्याख्या: अव्ययीभाव समास

(iv)**(ख)** संसार रूपी सागर - कर्मधारय समास
व्याख्या: विकल्प सही है क्योंकि पहले विकल्प में दोनों पदों में उपमेय-उपमान का संबंध है और उत्तर पद 'संसार' मुख्य है।

(v)**(ग)** प्रतिदिन
व्याख्या: पहला पद (प्रति) है।

5. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** जैसा आप पढ़ाते हैं वैसा कोई और नहीं।
व्याख्या: जैसा आप पढ़ाते हैं वैसा कोई और नहीं।

(ii)**(घ)** विकल्प (iv)
व्याख्या: वह बाज़ार गया और पुस्तक खरीद लाया

(iii)**(क)** पवन फुटबॉल खेलकर कर चला गया।
व्याख्या: पवन फुटबॉल खेलकर कर चला गया।

(iv)**(क)** सोहन ने अपने मित्र को बुलाया।
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि सरल वाक्य में एक ही क्रिया होती है। व्याकरण के वाक्य रचना के नियम 'कर्ता-कर्म-क्रिया' का पालन किया जाता है।
सोहन ने - कर्ता
मित्र को - कर्म
बुलाया - क्रिया

(v)**(घ)** मैंने एक पक्षी को देखा जो घायल था
व्याख्या: मैंने एक पक्षी को देखा जो घायल था

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** ठीक ढंग से काम न करना
व्याख्या: ठीक ढंग से काम न करना

(ii)**(ख)** मार डालना

व्याख्या: मार डालना - रमेश ने सुरेश की छुट्टी कर दी।

(iii)**(घ)** अपना-सा मुँह लेकर रह जाना

व्याख्या: अपना-सा मुँह लेकर रह जाना

(iv)**(ख)** कंगाल

व्याख्या: कंगाल

(v)**(घ)** बहुत अधिक परेशानी उठाना

व्याख्या: शादी वाले घर में इतने काम होते हैं कि जिन्हें निपटाते-निपटाते दाँतों पसीने आ जाते हैं।

(vi)**(ख)** दाँतों पसीना आना

व्याख्या: दाँतों पसीना आना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(क)** स्वाभिमान

व्याख्या: कट गए सर ... न झुकने दिया -पंक्ति भारतीयों के स्वाभिमान को अभिव्यक्त करता है।

(ii)**(घ)** श्रीकृष्ण के माथे पर मोर पंखों से बना मुकुट सुशोभित है

व्याख्या: पाठ के अनुसार श्रीकृष्ण के माथे पर मोर के पंखों से बना मुकुट सुशोभित है।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर-क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(ख)** एक दानी राजा

व्याख्या: एक दानी राजा

(ii)**(घ)** अपने मांस का दान दिया

व्याख्या: अपने मांस का दान दिया

(iii)**(घ)** कुंती पुत्र कर्ण ने

व्याख्या: कुंती पुत्र कर्ण ने

(iv)**(क)** जो परोपकारी भाव रखता है।

व्याख्या: जो परोपकारी भाव रखता है।

(v)**(घ)** (iii), (iv)

व्याख्या: कर्ण ने अपने शरीर का चर्म दान कर दिया था। गंधार देश के राजा ने अपने शरीर के मांस को दान कर दिया थी।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मेरे भाई साहब मुझसे पाँच साल बड़े, लेकिन केवल तीन दरजे आगे। उन्होंने भी उसी उम्र में पढ़ना शुरू किया था, जब मैने शुरू किया, लेकिन तालीम जैसे महत्त्व के मामले में वह जल्दबाजी से काम लेना पसन्द न करते थे। इस भवन की बुनियाद खूब मज़बूत डालना चाहते थे, जिस पर आलीशान महल बन सके। एक साल का काम दो साल में करते थे। कभी-कभी तीन साल भी लग जाते थे। बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने।
मैं छोटा था, वह बड़े थे। मेरी उम्र नौ साल की थी, वह चौदह साल के थे। उन्हें मेरी तम्बीह और निगरानी का पूरा और जन्मसिद्ध अधिकार था और मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ।

(i) **(ग)** बड़े भाई साहब, प्रेमचन्द
व्याख्या: बड़े भाई साहब, प्रेमचन्द
(ii)**(क)** पाँच साल
व्याख्या: पाँच साल
(iii)**(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(iv)**(ग)** सभी
व्याख्या: सभी
(v)**(ख)** शिक्षा
व्याख्या: शिक्षा

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(क)** बचपन से
व्याख्या: बचपन से
(ii)**(घ)** गांववालों का उसके विरोध में आव़ाज उठाना
व्याख्या: वामीरो की माँ के द्वारा सबके सामने अपमान किए जाने पर तताँरा क्रोध से भर गया था और अन्य गांववालों का विवाह परंपरा के समर्थन में चुप रहना उसे चुभ रहा था। वह हमेशा ही सबके बीच में सम्मान और आदर पाता था इसीलिए इस प्रकार लोगों का उसके खिलाफ़ आव़ाज उठाना उसके लिए असहनीय था। अन्य विकल्पों की तुलना में यह विकल्प सबसे उचित है

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) विरासत में मिली चीज़ें जैसे संस्कार, अनुभव, रीति-रिवाज़ और परंपरा आदि यह हमारी पूर्वजों की धरोहर हैं | इनको हमें संभाल कर रखना पड़ता है और इनकी रक्षा का भार भी हम सभी पर होता है | ये चीज़ें हमें अपने पूर्वजों एवं पुरानी परंपराओ की याद दिलाती हैं | इनमें इतिहास छिपा होता है अर्थात् यह बताती हैं कि हमारे पूर्वजों से कहाँ और कब किस प्रकार की गलतियाँ हुई थीं और उनका क्या परिणाम निकला। साथ ही, इन गलतियों से बचने और इनके समाधान भी बताती हैं।
विरासत में मिली चीज़ों की सँभाल करने के पीछे निम्नलिखित उद्देश्य हो सकते हैं-
i. आने वाली (नई) पीढ़ी अपने पूर्वजों के विषय में जानकारी रखे।

ii. आने वाली पीढ़ी अपने पूर्वजों के अनुभवों से सीख ले और उनके द्वारा की गई गलतियों को न दोहराए।
iii. पूर्व में मिली विरासत की परंपराओं को जाने-समझे और उनका पालन भी करे, ताकि ये परंपराएँ अगली पीढ़ी को हस्तांतरित हो सकें।

(ii)'आत्मत्राण' कविता में दुख के प्रति एक अलग दृष्टिकोण प्रकट हुआ है। इस कविता में दुख से पलायन करने की प्रवृत्ति त्यागकर उसे सहर्ष स्वीकारने तथा उस पर विजय पाने की प्रेरणा दी गई है। कविता में दुख और सुख दोनों को समान भाव से अपनाने का संदेश है। सुख के समय में भी प्रभु के प्रति मन में संदेह न पैदा होने देने तथा हर स्थिति में आस्था एवं विश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया है, जिससे हमारी आस्थावादिता बढ़ती है। इस तरह सुख में प्रभु को धन्यवाद देने तथा दुख को आत्मबल से जीतने का भाव समाहित करने वाली यह कविता हमें दुख से संघर्ष करने का मार्ग दिखलाती है।इन्हीं सब बिम्बों के माध्यम से यह कविता हमें दुख से परास्त होने के बजाय दुख से संघर्ष करने का मार्ग दिखाती है।

(iii)पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं। उनके काव्य का मुख्य विषय प्रकृति चित्रण ही रहा है। उन्होंने अधिकतर प्रकृति के मधुर एवं कोमल रूप का ही चित्रण किया है और कहीं-कहीं प्रकृति के उग्र और भयानक रूप का वर्णन भी किया है। प्रकृति का चित्रण करते समय उन्होंने उपवन, नदी, पर्वत, बादल, समुद्र आदि प्राकृतिक उपकरणों का सहारा लेकर अपनी काव्य रचना की।

उनकी कविताओं में अलंकारों का प्रयोग बहुत ही अच्छे तरीके से है जिसके कारण उनकी कविताओं की सुंदरता और बढ़ जाती है | उन्होंने प्रकृति के विभिन्न कार्यों के माध्यम से मनुष्यों को विभिन्न संदेश दिए हैं। प्रकृति उनके लिए कविता का मूल आधार रही है। एक सच्चे कवि की भाँति उनकी कल्पनाओं का क्षेत्र बहुत विस्तृत है। उनकी कल्पनाएँ मौलिक तथा नूतन हैं।

यह उनकी कल्पना तथा भावों की अभिव्यक्ति का कौशल ही है, जो उन्होंने पर्वत को आकाश में उड़ते हुए बताया है, शाल के वृक्षों को भय के कारण ज़मीन में फँसा हुआ कहा है और शीतल जल से भरे हुए तालाब से आग उगलने का चित्रण किया है। इसके अतिरिक्त वे पर्वतों पर उगे हुए पेड़ों कि तुलना मनुष्य की उच्चाकांक्षाओ से की है| झरनों को सन्नाटा का प्रतीक बताया है जिससे प्रतीत होता है कि आकाश धरती पर आ गया हो | उन्होंने स्वच्छ और पारदर्शी जल वाले तालाब की तुलना आईने से की है |

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति चित्रण के सर्वोत्तम कवि हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) प्रस्तुत पाठ में 26 जनवरी, 1931 के दिन कोलकाता में राष्ट्रीय झंडा फहराए जाने का वर्णन है। इस दिन भारतीय जनता ने अंग्रेज़ सरकार के विरुद्ध खुला विद्रोह किया था। कांग्रेस के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन चल रहा था। सरकारी आदेश के अनुसार इस दिन सार्वजनिक सभा करने और राष्ट्रीय झंडा फहराए जाने पर रोक थी। स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करने वाली कौंसिल शाम को मोनुमैंट के नीचे सभा करने तथा झंडा फहराए जाने के लिए तत्पर थी। यह खुला विद्रोह था। पुलिस ने खुलकर लाठीचार्ज किया, पकड़-धकड़ की और आंदोलन को दबाने की कोशिश की। अभूतपूर्व उत्साह होने के कारण लोग घायल होकर भी रुके नहीं। हजारों नर-नारी सभा स्थल पर इकट्ठे हुए। कितने ही घायल हुए, पकड़े गए और कितनों को जेलों में बंद कर दिया गया। सरकार की हर कोशिश के बावजूद निर्धारित समय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा भी पढ़ी गई।

(ii)प्रस्तुत पंक्ति एकांकी 'कारतूस' में कर्नल के संवाद का हिस्सा है। वज़ीर अली अवध को अंग्रेज़ी प्रभुत्व से मुक्त करना चाहता था। इसलिए उसने विद्रोह कर दिया और बनारस में कंपनी के वकील की हत्या कर गोरखपुर के जंगलों में जा छिपा। वहाँ उसके दो-चार विश्वसनीय आदमी भी साथ थे। इन मुट्ठीभर लोगों की सहायता से वज़ीर अली ने पूरी ब्रिटिश फौज़ को परेशान कर दिया था। उसे पकड़ना इतना मुश्किल था कि कंपनी की फौज़ के सिपाही भी तंग आ गए थे। फौज़ का कर्नल वज़ीर अली के साहस तथा दृढ़ता से अत्यधिक प्रभावित था। अपने मुट्ठीभर जाँबाज़ लोगों की सहायता से वज़ीर अली ने पूरी ब्रिटिश फौज़ की आँखों में सालों तक धूल झोंकी। युद्ध-सामग्री से लैस कर्नल की फौज जंगलों में उसका पीछा करती रही पर वह पकड़ में नहीं आ रहा था । वज़ीर अली के इसी दमखम तथा होशियारी के बारे में उपर्युक्त शब्द कहे गए थे।

(iii)झेन की देन' के अनुसार, हमारा दिमाग हर वक्त भूत या भविष्यकाल की बातों में ही उलझा रहता है क्योंकि हम अकसर गुज़रे दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपनों में खोए रहते हैं। हम अपना वर्तमान समय को भूलकर बस अपने जीवन के बीते हुए कल की यादों और आने वाले कल के बारे में ही सोचते हैं जिससे हम अपना पूरा जीवन अन्धकार में धकेल देते हैं। यह स्पष्ट करता है कि हमारे व्यक्तित्व में स्थिरता का अभाव है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका और लेखक के बीच बहुत ही मधुर एवं आत्मीय संबंध थे । लेखक गाँव में जिन लोगों का सम्मान करते थे हरिहर काका उनमें से एक थे। हरिहर काका की आँखों में लेखक ने उस दुख को देखा जो रिश्तों की गर्माहट के भावों को नकारता हुआ तथा पाँव पसारती हुई, स्वार्थ लिप्सा और धर्म की आड़ में फलने-फूलने का अवसर पा रही हिंसा प्रवृत्ति को उजागर करता है। ठाकुरबारी के महंत एवं हरिहर काका के भाइयों का एकमात्र उद्देश्य हरिहर काका की पंद्रह बीघे ज़मीन को हथियाना था। इसके लिए उन्होंने कई तरह के हथकंडे अपनाए और हरिहर काका पर बहुत जुल्म और अत्याचार किए। उनके विश्वास को ठेस पहुँचाई। ठाकुरबारी के महंत ने ज़बरदस्ती सादे कागज़ पर अँगूठे के निशान लिए, उन्हें मारा-पीटा तथा हाथ पाँव और मुँह बाँधकर कमरे में बंद कर दिया। हरिहर के भाइयों ने भी ऐसा ही किया। भौतिक सुखों की होड़, रिश्तों की अहमियत को औपचारिकता और आडंबर का जामा पहनाना इत्यादि के कारण हरिहर की पंद्रह बीघे ज़मीन उनके लिए जी का जंजाल बन गई थी।

(ii)लेखक के कई साथी अलग-अलग राज्य से थे। उनके अधिकतर साथी हरियाणा या राजस्थान से आकर मंडी में व्यापार के लिए आए परिवारों में से थे। इसलिए सब अलग-अलग भाषा बोलते थे। जब लेखक छोटे थे तो उनकी बोली बहुत कम समझ पाते थे। यहाँ तक कि उन लोगों के कुछ शब्द सुनकर लेखक को हंसी भी आ जाती लेकिन खेलते समय सब एक-दूसरे की भाषा समझ लेते थे। उनके व्यवहार में कोई अंतर ना था। लेखक के अनुसार, बच्चे जब मिलकर खेलते हैं तो उनका व्यवहार और भाषा अलग होते हुए भी एक ही जैसा लगता है। ज्यादातर खेलते समय सभी का व्यवहार एक सा हो जाता है। इसलिए भाषा अलग होने से भी मेल-मिलाप में कोई बाधा नहीं आती क्योंकि भाषा के अलावा हम इशारों से भी अपनी बात को दूसरों को समझा सकते है।

(iii)दो बार नवी कक्षा में फेल हो जाने पर टोपी को अनेक भावात्मक परेशानियों का सामना करना पड़ा । यह शिक्षा व्यवस्था की अनेक कमजोरियों को इंगित करता है। किसी भी छात्र का वार्षिक आकलन करते समय उसके पिछले वर्षों के परिणामों पर भी ध्यान देना चाहिए। कोई भी छात्र पिछले वर्षों में अच्छा परिणाम लाता रहा हो और किसी कारणवश इस वर्ष वह अपनी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता तो उसे अनुत्तीर्ण नहीं करना चाहिए। इस प्रकार के

छात्र को उसके पिछले परिणामों के आधार पर उत्तीर्ण करना चाहिए। अध्यापक को चाहिए कि वह छात्रों की भावात्मक परेशानियों का ध्यान रखे और किसी एक छात्र को मजाक का पात्र न बनाए।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. सेवा में,
मानीय शिक्षा मंत्री जी,
दिल्ली सरकार,
नई दिल्ली।
दिनांक- 22 अगस्त 20....
विषय - सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने हेतु।
महोदय,
मैं दिल्ली शहर के पिछड़े इलाके का निवासी हूँ। यहाँ की अधिकांश जनता गरीब व अशिक्षित है। जिन बच्चों को पढ़ने का अवसर मिल रहा है, वे धनाभाव के कारण पुस्तकें, समाचार पत्र व पत्रिकाएँ पढ़ने से वंचित रह जाते हैं। इसीलिए इस क्षेत्र में एक पुस्तकालय की अत्यंत आवश्यकता है। अभी तक इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया है। यदि आप इस इलाके में एक सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने की व्यवस्था करा दें तो इस क्षेत्र की जनता आपकी अत्यन्त आभारी रहेगी। साथ ही साक्षरता में आपकी भागीदारी भी प्रशंसनीय रहेगी।
भवदीय,
क्षेत्रीय नागरिक,
गिरीश

अथवा

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय
शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल
द्वारका सेक्टर - 7, नई दिल्ली
विषय : सहपाठी गौतम सिंह की साइकिल चोरी की सूचना के सम्बन्ध में
महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय में आए दिन छात्रों की कोई न कोई वस्तु गुम हो रही है। कभी किसी की पुस्तक तो कभी किसी का लंचबॉक्स चोरी हो जाता है। इस सन्दर्भ में कई बार स्वयं चोरों का पता लगाने की कोशिश की और सफलता न मिलने पर शिक्षक-शिक्षिकाओं से शिकायत भी की । उनके द्वारा कठोर कार्यवाही करने के बाद भी चोरी की घटनाओं को नियन्त्रित नहीं किया जा सका तथा वास्तविकता का पता नहींलगाया जा सका। हमारी कक्षाध्यापिका ने चोर का पता लगाने वाले को प्रार्थना सभा में सम्मानित करने की भी घोषणा की है। कल ही की बात हैं मेरे सहपाठी प्रकाश सिंह की साइकिल विद्यालय के साइकिल स्टैंड से चोरी हो गयी हैं। इस सन्दर्भ में साइकिल स्टैंड के कर्मचारी तथा सुरक्षा गार्ड को तत्काल ही अवगत करा दिया गया था परन्तु बड़े खेद का विषय है कि अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं की गयी है।
अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि इस विषय को गम्भीरता से लेते हुए स्वयं कठोर कदम उठाये और विद्यालय परिसर में सी॰सी ॰टी वी भी लगवाएँ । इस मामले में पुलिस में एफ.आई.आर.दर्ज कराने की कृपा करें क्योंकि अब तक पाँच-छह साइकिलें चोरी हो चुकी हैं ।
सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य

धीरेन्द्र सिंह
कक्षा - X-A
दिनांक 17 जनवरी, 2019

15. **ई-कचरा**

ई-कचरा आधुनिक समय की एक गंभीर समस्या है। वर्तमान समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफ़ी काम हो रहा है। इसके फलस्वरूप, आज नित नए-नए उन्नत तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों का उत्पादन हो रहा है। जैसे ही बाज़ार में उन्नत तकनीक वाला उत्पाद आता है, वैसे ही पुराने यंत्र बेकार पड़ जाते हैं। इसी का नतीजा है कि आज कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टीवी, रेडियो, प्रिंटर, आई-पोड्स आदि के रूप में ई-कचरा बढ़ता जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार एक वर्ष में पूरे विश्व में लगभग 50 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न होता है। यह अत्यंत चिंता का विषय है कि ई-कचरे का निपटान उस दर से नहीं हो पा रहा है, जितनी तेज़ी से यह पैदा हो रहा है। ई-कचरे को डालने या खुले में जलाने से पर्यावरण के लिए गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों में आर्सेनिक, कोबाल्ट, मरकरी, बेरियम, लिथियम, कॉपर, क्रोम, लेड आदि हानिकारक अवयव होते हैं। इनसे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ गया है।
अब समय आ गया है कि ई-कचरे के उचित निपटान और पुनः चक्रण पर ध्यान दिया जाए अन्यथा पूरी दुनिया शीघ्र ही ई-कचरे का ढेर बन जाएगी। इसके लिए विकसित देशों को आगे आना होगा और विकासशील देशों के साथ अपनी तकनीकों को साझा करना होगा, क्योंकि विकसित देशों में ही ई-कचरे का उत्पादन अधिक होता है और वे जब-तब चोरी-छिपे विकासशील देशों में उसे भेजते रहते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए पूरी दुनिया को एक होना होगा।

अथवा

वर्तमान युग कम्प्यूटर का युग है। आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाईअड्डे, डाकखाने, बड़े-बड़े उद्योग, कारखाने, व्यवसाय, हिसाब-किताब, रुपये गिनने की मशीनें तक कम्प्यूटरीकृत हो गई हैं। आने वाला समय इनके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है। आज मनुष्य-जीवन जटिल हो गया है। व्यक्ति के सम्पर्क बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहे हैं; गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, साधन बढ़ रहे हैं। परिणामस्वरूप सब जगह भागदौड़ और आपाधापी चल रही है। इस 'पागल गति' को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है। कम्प्यूटर एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है, जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक-भूमिका हो, या लाखों-करोड़ों-अरबों की लम्बी-लम्बी गणनाएँ, कम्प्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। कम्प्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म, घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध हो जाती है। एक समय था, जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुम्ब बना दिया है। कम्प्यूटर ने तो मानो उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। इस प्रकार कम्प्यूटर ने मानव-जीवन को सुविधा, सरलता सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है।

अथवा

इस दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण और सुंदर रिश्ता है - सच्ची मित्रता का रिश्ता। क्योंकि यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे मनुष्य ख़ुद बनाता है बाकी रिश्ते तो जन्म के बाद ही बन जाते हैं। एक सच्चा मित्र तो बहुमूल्य उपहार की भांति होता है। एक सच्चा मित्र हर मुसीबत में आपके साथ खड़ा रहता है। इसीलिए हर मानव को अपनी जिन्दगी में एक मित्र की आवश्यकता पड़ती है। एक सच्चा मित्र कभी भी आपको वैसा होने की आजादी देता है जैसे आप हो।
अच्छा मित्र कभी भी आपको बुरे कामों के लिए उत्साहित नहीं करेगा वो आपको ऐसे कामों से

दूर रहने की सलाह देगा। इसीलिए मित्रता तो विश्वास, सहयोग और दो लोगों के बीच प्यार की भावना का संगम होता है। मित्र बनाना कोई आसान काम नहीं होता इसके लिए मानव के अंदर कुछ अच्छी विशेषताएं अवश्य होनी चाहिए। पहली यह कि उसे अपने मित्र पर विश्वास रखना होगा और दूसरी यह कि एक मित्र को दुसरे मित्र में छोटी -छोटी बात के लिए दोष नहीं निकालने चाहिए। दोस्ती दोनों में समान होनी चाहिए।
एक झूठा मित्र हमेशा आपके साथ स्वार्थ के लिए दोस्ती करेगा। ऐसी मित्रता ज्यादा दिनों तक नहीं टिकती इसीलिए ऐसे मित्रों से दूर ही रहना चाहिए। एक सच्चा और अच्छा मित्र वही होता है जो हमारी कमियों का मजाक न उड़ाते हुए उन्हें दूर करने में मदद करता है। सच्चा मित्र हमेशा हमारी अच्छाइयों से हमें अवगत कराता है।
अपने शत्रु को हज़ारों मौके दो कि वो तुम्हारा मित्र बन जाये परन्तु आपके मित्र को एक भी ऐसा मौका ना दो कि वो आपका शत्रु बन जाए।

16.

बसंत पब्लिक स्कूल
सूचना

दिनांक: 20 जनवरी 2020

"कथा प्रस्तुति कार्यक्रम"

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सहर्ष सूचित किया जाता है कि आगामी पन्द्रह दिन बाद दिनांक 15 जनवरी, 2020 सोमवार का प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक कथा प्रस्तुति कार्यक्रम रखा गया है यह कार्यक्रम हिन्दी विभाग के संयोजन से शुरू होगा। इसमें सभी की उपस्थिति गरिमापूर्ण है।
आज्ञा से संयोजक हिन्दी विभाग

अथवा

सूचना

25 मार्च, 2019

हमारे विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री बसंत पांडेयजी 30 मार्च को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय की ओर से एक विदाई समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन कक्षा बारहवीं के छात्रों द्वारा किया जा रहा है। संपूर्ण कार्यक्रम निर्धारित कर लिया गया है। कार्यालय से भी स्वीकृत ले ली गई। अतः विद्यालय की बारहवीं कक्षा के सभी छात्रों से अनुरोध है कि निर्धारित दिवस को अधिक-से-अधिक संख्या में पहुँचकर इस विदाई समारोह का हिस्सा बनें और उन्हें भावभीनी विदाई दें।
अमन शर्मा (सचिव)
बारहवीं

"वातावरण को महकाए,
सुंगध ही सुगंध फैलाए,
सबको आकर्षित कर,
सबकी नज़रों को भा जाए"

गोल्डस्टोन डियो शॉप

स्क्रैच करने पर पा सकते हैं
अपने मनपसंद टी.वी. स्टार
से मिलने का मौका
और भी अनेक उपहार
17. सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध

अथवा

मनोरम ब्यूटी क्रीम
एलोवेरा जेल युक्त

"खिला-खिला चेहरा झलकता नूर,
ऐसा लगे चली आ रही हूर।"

"""""दो की खरीदारी पर मनोरम फेस वॉश फ्री"""""

18. **एक नदी का दुख**

मैं एक नदी हूँ। मैं सारे संसार के लिए बहुत आवश्यक हूँ क्योंकि मैं पानी का एक स्रोत हूँ और जीवन में पानी बहुत अमूल्य धरोहर है। सभी को मेरी जरूरत है चाहे वो मनुष्य हो चाहे पेड़, पौधें और खेत हों। मैं हर जगह पर मौजूद हूँ, लेकिन अलग अलग नामों से जानी जाती हूँ। एक समय

था जब मैं पूरी तरह स्वच्छ और निर्मल हुआ करती थी और एक आज का समय है जब मैं गंदगी से भर दी गई हूँ। मानव ने कूड़ा-कचरा डाल कर मेरे जल को हानिकारक बना दिया है। इंसान ने अपने जरूरत के समय मेरा उपयोग किया और अब मुझे एक कचरे का ढेर बना दिया गया है। इसका नुकसान मेरे जल में रहने वाले जीवों के साथ पूरे संसार को है। लेकिन मैं अपना यह दुख किसी से नहीं कह सकती हूँ।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: dfpd@gov.in
CC ...
BCC ...
विषय - खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या के सन्दर्भ में
महोदय,
आप भली-भांति जानते है कि त्योहारों का मौसम आ पहुँचा है जिसमें खाद्य पदार्थों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इस समय बाजार में खाद्य पदार्थों की माँग बहुत बढ़ जाती है और उनकी पूर्ति करने के लिए मिलावट करने वालों का धंधा भी ज़ोर पकड़ने लगता है जिससे ग्राहक बहुत परेशान होते हैं। आप सम्बन्धित विभागीय कर्मचारियों को सचेत करें जिससे वे जगह-जगह छापामार कार्यवाही हो और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि जनजीवन विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित हो सके।
पवन